Literacy for a Billion

Movie: Jawani Diwani
Year: 1972

Song: Jaan E Jaan Dhoondhta Phir Raha
Lyricist: Anand Bakshi

जानेजाँ ढूँढ़ता फिर रहा
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

जानेजाँ ढूँढ़ता फिर रहा
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

मुझको आवाज़ दो
छुप गए हो सनम
तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

जानेजाँ ढूँढ़ता फिर रहा
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

ओ मेरे हमसफ़र
प्यार की राह पर
साथ चलें हम मगर
क्या ख़बर

ओ मेरे हमसफ़र
प्यार की राह पर
साथ चलें हम मगर
क्या ख़बर
रास्ते में कहीं

रह गए हमनशीं
तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

जानेजाँ ढूँढ़ती फिर रही
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

मुझको आवाज़ दो
छुप गए हो सनम
तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

दिल मचलने लगा
यूँ ही ढलने लगा
रंग भरा प्यार का
ये समाँ

दिल मचलने लगा
यूँ ही ढलने लगा
रंग भरा प्यार का
ये समाँ

हाथ ऐसे में बस
छोड़ कर चल दिए

तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

जानेजाँ ढूँढ़ता फिर रहा
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

पास हो तुम खड़े
मेरे दिल में छुपे
और मुझे कुछ पता
ना चला
पास हो तुम खड़े
मेरे दिल में छुपे
और मुझे कुछ पता
ना चला

दिल में देखा नहीं
देखा सारा जहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

जानेजाँ ढूँढ़ता फिर रहा
हूँ तुम्हें रात दिन
मैं यहाँ से वहाँ

मुझको आवाज़ दो
छुप गए हो सनम
तुम कहाँ
मैं यहाँ
तुम कहाँ
मैं यहाँ

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*